सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 290 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 1 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

मैंने देखा है कि काफी हद तक भाग्य उम्मीद के मुताबिक होता है। अगर आप अधिक भाग्य चाहते हैं तो अधिक जोखिम उठाएं। अधिक एक्टिव रहे। अधिक हिस्सा लें।
-ब्रायन ट्रेसी

रोहन-अश्विनी की जोड़ी ने मारी... 7 | चार राज्यों में चली सरकार बनाने... 3 | हमेशा एक पार्टी का वर्चस्व नहीं... 2

शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन तीखी बहस, जातिगत जनगणना पर घमासान

» अनुपूरक बजट पर वित्त मंत्री ने दिया जवाब
» सदन में विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरा
» अखिलेश व योगी के बीच नोकझोंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज चौथा और आखिरी दिन है। विधानसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे से शुरू हुई। अनुपूरक बजट पर वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विपक्ष के सवालों का जवाब दिया। इस बीच अंतिम दिन भी सत्ता पक्ष व विपक्ष में जनता से जुड़े मुद्दों पर जमकर तीखी बहस हुई।

नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के बयान के बाद नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदन में अनुपूरक बजट पर दोपहर में भाषण देंगे। इस दौरान कई अध्यादेश व विधेयक भी सत्ता पक्ष पास करायेगा। इससे पहले वित्तमंत्री ने मंगलवार को बजट पेश किया था। वहीं पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष ने सत्र के समय व अनुपूरक बजट लाने पर बीजेपी सरकार को घेरा है।

केशव के बयान पर विपक्ष भाजपा पर हमलावर

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने विधान परिषद में कहा है कि वो स्वयं और उनकी पार्टी के वरिष्ठतम नेता जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं हम इसके खिलाफ नहीं हैं। जातीय जनगणना को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैं और मेरे बड़े नेता जातीय जनगणना चाहते हैं। विपक्ष ने जातीय जनगणना पर सरकार को घेरा है। विधान परिषद में भी इस मुद्दे पर हंगामा हुआ। विधान परिषद में सपा ने बहिर्गमन किया था। वहीं जातीय जनगणना को लेकर सपा विधायक पल्लवी पटेल ने अपने बयान में कहा कि बीजेपी जातिगत जनगणना से क्यों भाग रही है। जातिगत जनगणना के लिए सदन बढ़ाया जाए, सदन के सत्र को चर्चा के लिए बढ़ाया जाए,आज भी इस मुद्दे को सदन में उठाया जाएगा। अनुपूरक बजट सिर्फ नाम का बजट है, हम सदन में चर्चा करना चाहते हैं, चर्चा न हो इसलिए इतना छोटा सदन रखा गया है।

केशव तुरंत इस्तीफा दें : शिवपाल

वहीं यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन, सपा महासचिव शिवपाल यादव ने केशव प्रसाद मौर्य पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केशव प्रसाद मौर्य को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि ये पिछड़ा दलितों की बात सुनते नहीं है,और कहते हैं कि ये जातीय जनगणना का मामला, केंद्र का मामला है।

सरकार को अनुपूरक बजट लाने की क्या जरूरत पड़ी : अखिलेश

» बोले - जब पैसा खर्च ही नहीं हो रहा तो बड़ा बजट क्यों

समाजवादी पार्टी के नेता और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने राज्य की योगी सरकार के अनुपूरक बजट पर सवाल उठाए हैं। सपा नेता ने विधानसभा में कहा कि जब सरकार 65 फीसदी पैसा खर्च ही नहीं कर पा रही है तो इस अनुपूरक बजट की क्या जरूरत है, सपा नेता ने आरोप लगाया कि ये सरकार कहती है कि वो राज्य की इकॉनमी को 1 ट्रिलियन डॉलर की बनाएगी लेकिन जब पैसा ही खर्च नहीं होगा तो यह कैसे संभव है? अखिलेश यादव ने सरकार पर तंज किया कि ये सरकार डींग मारने वाली है। स्मार्ट सिटी का सपना दिखाया था, क्या इस सालीमेंट्री बजट में इसका जिक्र है? यह सरकार खुद समझ रही है कि अब इससे स्मार्ट सिटी नहीं बन पाएगी। सपा नेता ने कहा कि अगर कोई काम चल रहा होता है तो इस सरकार को पता है कि कैसे चलती चक्की में रोड़ा अटकाना है, ये रोड़ा अटकाने वाली सरकार है. इन सबके बावजूद भी सबसे ज्यादा पैसा पीडब्ल्यूडी की परियोजनाओं के लिए पैसा मांगा जा रहा है। इस सरकार को स्वीकार करना चाहिए कि जो उद्घाटन हुए थे, वो आधे अधूरे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर बजट खर्च नहीं हो पा रहा तो सरकार को स्वीकार करना चाहिए की उनकी व्यवस्था है, अगर खर्च ही नहीं हो रहा है तो इतना बड़ा बजट क्यों चाहिए, जब मुख्य बजट से विकास नहीं हुआ तो सालीमेंट्री से क्या होगा?

सर्वे पर यकीन नहीं, सभी राज्यों में सरकार बना रहे हम : प्रमोद तिवारी

» पीएम ने जनता से की है वादाखिलाफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। एग्जिट पोल के नतीजों पर कांग्रेस सांसद और दिग्गज नेता प्रमोद तिवारी का कहना है कि वो इन एग्जिट पोल के नतीजों पर विश्वास नहीं करते, उन्हें खुद पर भरोसा है और कांग्रेस सभी राज्यों में सरकार बना रही है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उन्होंने अपना मत रखा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा।

कांग्रेस नेता ने कहा,चार राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में हम सरकार बनाने जा रहे हैं, मिजोरम में हमारे बिना कोई सरकार नहीं बनती, वहां हम गठबंधन की सरकार बनाएंगे. जहां तक एग्जिट

पोल की बात है तो कोई भी सर्वे एक दूसरे से मिलता जुलता नहीं होता। मैं सर्वे पर विश्वास नहीं करता क्योंकि हर जगह सर्वे अलग-अलग होता है. मुझे खुद पर भरोसा है, हम 4 राज्यों में सरकार बनाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से वादाखिलाफी की है। जो वादे उन्होंने जनता से किए उन्हें पूरा नहीं किया है। हम अपने बूते पर सरकार बना रहे हैं। ये सर्वे ही एक दूसरे की काट कर रहे हैं तो हम तो विश्वास नहीं करते इन पर।

आएंगे कांग्रेस के अच्छे दिन : राउत

मुंबई। पांच राज्यों के एग्जिट पोल पर संजय राउत की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। संजय राउत ने कहा है कि, कांग्रेस पार्टी के अच्छे दिन आ गये हैं या आने वाले हैं। कांग्रेस की जीत मतलब इंडिया एलायंस की जीत है। राहुल गांधी ,प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने शानदार प्रचार किया है। पीएम और मंत्री सभा कर रहे थे। मैं एग्जिट पोल पर नहीं जा रहा हूं लेकिन कांग्रेस पार्टी जीत रही है। पांच राज्यों में बीजेपी हार रही है, राजनीति में रिसाट पॉलिटिक्स होता है। रिसाट पॉलिटिक्स तो सबसे पहले बीजेपी ने किया था। देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए मतदान के बाद आए ज्यादातर एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में राजस्थान और मध्य प्रदेश में बीजेपी को बढ़त मिलने का अनुमान लगाया गया है वहीं तेलंगाना तथा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के आगे रहने की संभावना जताई गई है।

सुप्रीम कोर्ट से भी नहीं मिली आजम को राहत

» जौहर यूनिवर्सिटी मामले में हुई सुनवाई
» बेंच बोली- पहले यूपी हाईकोर्ट जाइए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से कोई भी राहत नहीं मिली है। आजम खान ने यूपी सरकार के खिलाफ रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी को मिली जमीन की लीज रद्द करने के मामले में सर्वोच्च अदालत का रुख किया था, जहां से उनको यूपी हाईकोर्ट जाने को कहा गया है, कोर्ट ने कहा, पहले आप हाईकोर्ट जाइये जहां चीफ जस्टिस आपके मामले को एक बेंच बनाकर सुनेंगे।

समाजवादी पार्टी की सरकार ने आजम खान की इस यूनिवर्सिटी को सस्ते दर पर एक स्कूल की जमीन 99 साल के लिए लीज पर दी थी। लीज की शर्तों के उल्लंघन के आधार पर मौजूदा सरकार ने इसे रद्द कर दिया है, ये वही मामला है जिसके लिए अक्टूबर 2023 के पहले हफ्ते में ईडी केस फाइल होने की संभावना व्यक्त की जा रही थी।

हमेशा एक पार्टी का वर्चस्व नहीं रहेगा : मायावती

» अकेले लोस चुनाव लड़ने का फैसला अटल

» बसपा पदाधिकारियों के साथ की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि लोकसभा आमचुनाव अकेले अपने बलबूते पर लड़ने का उनका फैसला अटल है। चुनाव में किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं रहेगा और मुकाबला बहुकोणीय होगा। जनता भी इसके लिए अपना मन बना चुकी है। बसपा सुप्रीमो यूपी और उत्तराखंड के पार्टी पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों के साथ चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रही थीं। पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित विशेष बैठक में पार्टी के कार्यक्रमों, उसकी तैयारियों, कैडर बैठकों तथा उम्मीदवारों के चयन आदि की समीक्षा भी हुई।

उन्होंने कहा कि केन्द्र व यूपी सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं कार्यप्रणाली आदि के कारण तेजी से बदल रहे हालात में किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं होकर बहुकोणीय संघर्ष का रास्ता चुनने को लोग आतुर लग रहे हैं। ऐसे में लोकसभा का अगला आमचुनाव दिलचस्प, संघर्षपूर्ण और व्यापक जनहित व देशहित में साबित होने की प्रबल संभावना है जिसमें बसपा की अहम भूमिका रहेगी।

बोलीं- मुकाबला बहुकोणीय होगा

अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर होंगे कार्यक्रम

मायावती ने 6 दिसम्बर को डा. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस को पार्टी की परम्परा के अनुसार पूरे देश में व खासकर यूपी में पूरी मिशनरी भावना के अनुरूप आयोजित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इस बार कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव किया गया है। अब पश्चिमी यूपी के छह मण्डलों तथा आगरा, अलीगढ़, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ तथा सहारनपुर मण्डल के लोग नोएडा में दिल्ली-यूपी सीमा पर निर्मित भव्य राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल व ग्रीन गार्डेन में श्रद्धांजलि व श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे। यूपी के शेष 12 मण्डलों में पार्टी के लोग लखनऊ में डा. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में स्थित स्मारक में श्रद्धांजलि देंगे।

कुछ जिलों में ही खर्च हो रहा पैसा

मायावती ने कहा कि यूपी की भाजपा सरकार में सभी जिलों में समग्र विकास के बजाय कुछ गिने-चुने जिलों में ही सरकारी धन व्यय को प्राथमिकता दी जा रही है, जिस तरह सपा शासनकाल में कुछ चुनिन्दा जिले ही सरकारी कृपादृष्टि के पात्र हुआ करते थे। इस संकीर्ण राजनीति से जनता पहले की तरह ही दुखी व त्रस्त है। स्पष्ट है कि भाजपा भी, सपा व कांग्रेस की तरह अपने काम के बल पर जनता से वोट मांगने की स्थिति में नहीं है। इसीलिए चुनावी स्वार्थ के लिए संकीर्ण, भड़काऊ एवं विभाजनकारी मुद्दों का फिर सहारा लिया जाएगा, जिससे बहुजन समाज के लोगों को सावधान रहना है। इनके किसी भी बहकावे में कतई नहीं आना है। उनके हवाहवाई विकास के छलावे में और न ही इनके अन्य किसी उन्मादी मुद्दे में संयम खोना है।

यूपी में अच्छे दिनों के लिए तरस रहे 25 करोड़ लोग

थोड़े अच्छे दिन को तरसते यूपी के लगभग 25 करोड़ लोगों के जीवन में छाई गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन व पलायन आदि के दुःख-दर्द भरा जीवन का क्रम भाजपा के शासनकाल में भी लगातार जारी है। बीते वर्षों में यह हालात बेहतर होने के बजाय बिगड़े हैं।पदाधिकारियों से ली रिपोर्ट इससे पहले उन्होंने पिछली बैठक में दिये गये दिशा-निर्देशों पर जमीनी स्तर पर होने वाले अमल की जिला व मण्डलवार समीक्षा रिपोर्ट ली। साथ ही कमियों को दूर करके आगे बढ़ने के लिये नये दिशा-निर्देश दिये। पार्टी संगठन तथा सदस्यता आदि की जिम्मेदारी की सख्त हिदायत देते आगामी संसदीय चुनाव के लिए बेहतर कैडर व्यवस्था के आधार पर युवा मिशनरी लोग भी तैयार करने का अपना निर्देश दोहराया। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद अब लोकसभा के लिये फिर से यहां माहौल काफी गरमाने लगा है तथा सरगर्मियां शुरू हो गयी हैं।

गरीबों को स्वास्थ्य लाभ से न रोके केंद्र : ममता

» मोदी को पत्र लिखकर एनएचएम कोष जारी करने का किया आग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ` प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों के लिए रंग की शर्तों को हटाने और राज्य को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कोष जारी करने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे अपने दो पृष्ठ के पत्र में कहा कि केंद्र द्वारा धनराशि रोकने से गरीब अपने स्वास्थ्य लाभ से वंचित हो जाएंगे।

बनर्जी ने पत्र में लिखा है, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हाल में, मुझे सूचित किया गया है कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के लिए कुछ रंग दिशानिर्देशों का अनुपालन न करने के कारण पश्चिम बंगाल को एनएचएम के तहत धनराशि जारी करना रोक दिया है, जबकि अन्य शर्तें पूरी की गई है। धनराशि जारी करने पर रोक लगाने से गरीबों को उनके लाभ से प्रतिकूल रूप से वंचित होना पड़ेगा।

किसानों को राहत देने का इंतजाम नहीं : आराधना

» निवेश पर श्वेत पत्र लाए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा में कांग्रेस सदस्य आराधना मिश्रा मोना ने अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि इसमें किसानों को राहत देने का इंतजाम नहीं किया गया है। सरकार ने अपने घोषणा पत्र में किसानों को लेकर किये गए वादों को भी पूरा नहीं किया। उन्होंने पुरानी पेंशन स्कीम का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जब अन्य राज्यों ने इसे लागू कर दिया है, तो यूपी में आखिर क्या समस्या आ रही है। कांग्रेस सदस्य ने बढ़ती महंगाई के दृष्टिगत विधायकों का भत्ता बढ़ाने की मांग भी की।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्य को उसके क्षेत्र में 10-10 किमी की सड़क और सौ-सौ हैंडपंप भी मिलने चाहिए। उन्होंने विधायक निधि पर जीएसटी का मुद्दा भी उठाया। इस पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि ये विषय अनुपूरक बजट से संबंधित नहीं हैं।

किसानों को बिजली के बिल में राहत देने के लिए सरकार ने 900 करोड़ रुपये की बजट में व्यवस्था की है। प्रदेश सरकार बदायूं, गोरखपुर, बहराइच, बाराबंकी में बायो गैस प्लांट भी लगवा रही है।

कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने विधानसभा में वैश्विक निवेशक सम्मेलन में हुए निवेश करार का मुद्दा उठाया। उन्होंने प्रश्नकाल में सरकार से सवाल किया कि सम्मेलन में कितने के निवेश करार हुए, कितना निवेश हुआ, कितनी कंपनियां स्थापित हुई और कितने लोगों को रोजगार मिला इस पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। मोना ने सरकार से सम्मेलन में हुए खर्च का ब्योरा देने की भी मांग रखी। औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि सम्मेलन और उसके बाद तक 26 हजार निवेश करार हुए हैं। यूपी देश-विदेश के उद्यमियों के निवेश का पसंदीदा गंतव्य बना है।

बजट में अन्य धर्मों की हुई उपेक्षा : पल्लवी

विधानसभा में सपा सदस्य पल्लवी पटेल ने कहा कि अनुपूरक बजट में अन्य धर्मों की उपेक्षा की गयी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा की नजरों में यूपी केवल हिंदुओं का प्रदेश है। उन्होंने कहा कि बजट में जैन, सिख, बौद्ध आदि समुदायों को क्या दिया गया। नाथ समुदाय को भी कुछ नहीं मिला। गरीबों और पिछड़ों को भी दरकिनार किया गया। मैं जातिवार जनगणना के लिए निजी विधेयक लेकर आई हूं, जबकि यह आपको लाना चाहिए था। इनकी नुमाइंदगी करने वाले आपके सदस्य पंगु हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि चर्चा अनुपूरक बजट पर सीमित रहनी चाहिए। वहीं विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मैंने सचेतकों को सुबह ही बता दिया था कि अनुपूरक में विस्तार से चर्चा नहीं होती है।

संक्षिप्त खबरें

मैं भी केजरीवाल पर आप का हस्ताक्षर अभियान शुरू

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी तथाकथित शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका के मद्देनजर शुक्रवार से राजधानी में 'मैं भी केजरीवाल' हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी। आगामी 20 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान में जनता से पूछा जाएगा कि केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने पर उनको इस्तीफा देना चाहिए या जेल से ही दिल्ली सरकार चलानी चाहिए? आप के प्रदेश संयोजक एवं दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने बृहस्पतिवार को पार्टी मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हस्ताक्षर अभियान में सरकार के मंत्री, पार्टी के विधायक, पार्षद और पदाधिकारी 2600 पोलिंग स्टेशनों में घर-घर जाएंगे और लोगों से चर्चा कर उनकी राय जानेंगे। इसके अलावा 21 से 24 दिसंबर तक विधायक और पार्षद सभी वार्डों में जनसंवाद करके जनता की राय लेंगे। इस संबंध में मंडल स्तर पर टीमों का गठन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने एक पंफलेट तैयार किया है, जो घर-घर जाकर लोगों को दिया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता लोगों के साथ पंफलेट में कही गई बातों पर चर्चा करेंगे कि आखिर तथाकथित शराब घोटाला फर्जी कैसे है? केजरीवाल को प्रधानमंत्री क्यों गिरफ्तार करना चाहते हैं? क्या प्रधानमंत्री केजरीवाल के काम का मुकाबला कर सकते हैं या नहीं? क्या प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं?

पहले यूपी में आने से कतराते थे, अब निवेश के लिए आ रहे उद्यमी : योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले लोग यूपी में उद्योग लगाने से कतराते थे। अब गोरखनगरी में निवेश के लिए उद्यमी आगे आ रहे हैं। पहले यहां के लोग रोजगार की तलाश में बाहर जाते थे। अब बाहर के अच्छे लोग रोजगार की तलाश में गोरखपुर आ रहे हैं। गोरखपुर बदल रहा है। सीएम योगी ने बृहस्पतिवार को गीडा के स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 34 साल किसी भी व्यक्ति के जीवन में बड़ा महत्वपूर्ण क्षण है। अगर व्यक्ति के हिसाब से देखें तो इस आयु में युवक खुद की मेहनत से कमाई कर परिवार का पालन-पोषण करने लायक हो जाता है। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले गोरखपुर में निवेश एक सपना था। गैंगवार और अराजकता के चलते लोग भयभीत रहते थे। उद्यमी की पूंजी के साथ उसके जान पर भी खतरा रहता था।

इसी मोहब्बत से बना है अपना देश : प्रियंका

» रैट माइनर्स का फोटो किया शेयर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तराखंड के उत्तराकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कुछ रैट माइनर्स का हवाला देते हुए इसी मोहब्बत से अपना देश बना है। प्रियंका गांधी ने कुछ रैट माइनर्स की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूर भाइयों को बाहर निकालने की कोशिश में जब-जब बड़ी-बड़ी ऑगर मशीनें निष्फल हो गईं तो हाथों-हाथ खुदाई की एक देसी तकनीक को अमल में लाना पड़ा, जिसे रैट होल माइनिंग कहा जाता है।

कुल जमा 12 रैट होल माइनर्स साथियों ने जान पर खेलकर महज 24 घंटे की मेहनत में रेस्क्यू ऑपेरशन को पूरा कर दिया। उनका कहना था, उनमें से एक साथी मोहम्मद इरशाद ने सबके लिए दुआ की है कि देश में प्यार बचा रहे और इंसान को इंसान की तरह प्रेम किया जाय। दूसरे रैट होल माइनर नासिर हुसैन ने जब ध्वस्त सुरंग को चीरकर उस पार फंसे मजदूरों में से पहले को देखा तो उसके पास पहुंच कर फौरन उसे गले लगा लिया। कांग्रेस नेता ने कहा, यही प्यार है। इसी मोहब्बत से बना है अपना देश। जय हिंद।

विकास में मानवीय मूल्यों को समाहित करना होगा: राहुल गांधी

वायनाड (केरल)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विकास के दृष्टिकोण में आमूल-चूल बदलाव का आह्वान किया और आर्थिक प्रगति को सद्भाव, शांति, स्नेह तथा सम्मान जैसे मौलिक मानवीय मूल्यों के साथ जोड़ने आवश्यकता पर जोर दिया। कांग्रेस सांसद ने अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में मननथावाडी नगर पालिका में अमृत पेयजल परियोजना का उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, विकास के साथ हमें उस देश की प्रकृति के बारे में भी सोचना होगा जिसमें हम रहते हैं। क्या हम एक सामंजस्यपूर्ण देश, एकस्नेही देश बना रहे हैं? क्या हमारा देश ऐसा है जो अपने सबसे कमजोर लोगों की देखभाल करता है, उन लोगों की रक्षा करता है जिन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है? क्या हम देश का विकास कर रहे हैं और सबसे बुनियादी मानवीय मूल्यों के बारे में भूल रहे हैं? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, हमें एक ऐसी जगह बनाने की आकांक्षा रखनी होगी जहां हर कोई सुरक्षित, स्नेह और सम्मान महसूस करे। वायनाड से सांसद गांधी ने कहा, अगर हम अपने देश को विकसित करना चाहते है तो सद्भाव, शांति, सम्मान और स्नेह बेहद महत्वपूर्ण है। वास्तव में यही सच्चा विकास है।

चार राज्यों में चली सरकार बनाने की बहस

चुनाव हो चुके हैं संपन्न, 3 दिसंबर को आने हैं नतीजे

- लोग अपने-अपने दलों को दिलवा रहे जीत
- शर्त लगा कर इनाम देने की हो रही है चर्चा
- आम से लेकर खास के बीच बढ़ी बतकही
- भाजपा व कांग्रेस प्रवक्ता में लगी होड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चार राज्यों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। सभी को 3 दिसंबर का इंतजार है। 30 नवंबर को तेलंगाना में मतदान है। अभी नतीजे आने में तीन दिन बाकी है। पर इन चुनावी राज्यों में सरकार बनने व जाने की चर्चा तेज होग गई है। सियासी पार्टियों के समर्थक अपनी-अपनी राजनैतिक दलों की सरकार बना रह हैं हालांकि ईवीएम खुलने के बाद ही पता चलेगा कि कौन सत्ता की शीर्ष पर बैठता है और कौन फिर धूल फांकता है। आलम ये है कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में लोग एकदूसरे से शर्त तक लगा रहे है। सभ दल मतगणना से पहले जीत का दावा कर रह हैं। कोई दांव लगाते यह तक कह रहा है कांग्रेस जीती तो दूंगा दो लाख।भाजपा और कांग्रेस के प्रवक्ताओं ने मतगणना से पहले ही रिजल्ट पर दांव लगा बैठे हैं। भाजपा ने दो लाख रुपये का दांव लगाया तो कांग्रेस बढ़कर ढाई लाख रुपये का दांव लगाया है। फिलहाल, यह तीन दिसंबर को ही तय होगा कि छत्तीसगढ़ में किसकी सरकार बनेगी।

तीन दिसंबर को मतगणना होना है। सभी राजनीतिक पार्टी के नेता अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। वहीं प्रदेश की जनता भी अबकी बार छत्तीसगढ़ में किसकी सरकारी बनेगी? पर चर्चा कर रहे हैं। वहीं भाजपा और कांग्रेस के प्रवक्ताओं ने मतगणना से पहले ही रिजल्ट पर दांव लगा बैठे हैं। भाजपा ने दो लाख रुपये का दांव लगाया तो कांग्रेस बढ़कर ढाई लाख रुपये का दांव लगाया है। फिलहाल, यह तीन दिसंबर को ही तय होगा कि छत्तीसगढ़ में किसकी सरकार बनेगी। भाजपा प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने जीत का दावा करते हुए दो लाख रुपये का दांव लगाया है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता सुबोध हरितवाल ने भी जीत का दावा करते हुए ढाई लाख रूपये का दांव लगा दिया है। दोनों ने ही सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट किया है। इस दौरान दोनों ही पार्टी के प्रवक्ता ने एक दूसरे पर निशाना भी साधा है। वहीं दोनों अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि बस कुछ ही दिन फिर छत्तीसगढ़ कांग्रेस मुक्त होने जा रहा है। भय, भूख, भ्रष्टाचार समाप्त, पुरखों का छत्तीसगढ़ बनाएंगे सुशासन लाएंगे। उन्होंने ने इस पर सुबोध हरितवाल टैग कर लिखा कि कोई संदेह हो तो दो लाख रूपये की शर्त लगा लीजिए सुबोध जी विदाई का समय आ गया है। दूसरी ओर इस ट्वीट का जवाब देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुबोध हरितवाल ने भी सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि आपकी चुनौती स्वीकार है, कमीशनबाज भाजपा को छत्तीसगढ़ की जनता कभी मौका नहीं देगी। उन्होंने बढ़कर दांव भी लगाया है। सुबोध हरितवाल ने लिखा कि शर्त की एक और शर्त है, मैं जीता तो 2 लाख रुपये लूंगा, पर यदि आप जीते तो ढाई लाख रूपये दूंगा वादा रहा। उन्होंने कहा की भरोसा बरकरार फिर से कांग्रेस सरकार।

भरोसा बरकरार फिर से कांग्रेस सरकार : संतोष

बीजेपी के बस्तर संभाग प्रभारी और राजनांदगांव सांसद संतोष पाडेय ने भाजपा जिला कार्यालय में विधानसभा चुनाव की विधानसभावार समीक्षा बैठक ली। इसमें जगदलपुर, बस्तर, चित्रकोट, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा विधानसभा सीट की समीक्षा की गयी। बीजेपी के बस्तर संभाग प्रभारी और राजनांदगांव सांसद संतोष पाडेय ने भाजपा जिला कार्यालय में विधानसभा चुनाव की विधानसभावार समीक्षा बैठक ली। इसमें जगदलपुर, बस्तर, चित्रकोट, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा विधानसभा सीट की समीक्षा की गयी। पांडेय ने एक-एक विधानसभा की अलग-अलग जानकारी ली। इस दौरान सभी सात सीटों पर भाजपा की जीत का परचम लहराने का दावा किया।उन्होंने कहा कि बस्तर से बदलाव का संदेश समूचे छत्तीसगढ़ में प्रमुखता से फैल चुका है। यह बात प्रमुखता से बैठक में कही गयी। बैठक में प्रमुख रूप से भाजपा प्रत्याशी किरणदेव, मनीराम कश्यप, विनायक गोयल, चैतराम अट्टामी,पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष रूपसिंह मण्डावी, श्रीनिवास राव मद्दी, धनीराम बारसे,बैदूराम कश्यप, लच्छूराम कश्यप, शिवनारायण पाण्डेय, सुधीर पाण्डेय, विद्याशरण तिवारी,नवीन विश्वकर्मा, योगेन्द्र पाण्डेय, श्रीधर ओझा, गोदावरी साहू,संतोष बघेल, रामाश्रय सिंह, वेदप्रकाश पाण्डेय, रजनीश पाणिग्रही,नरसिंह राव आदि मौजूद रहे।

बीजेपी ने जताई मतगणना में गड़बड़ी की आशंका

छत्तीसगढ़ चुनाव खत्म होने के बाद अब दावों, कयासों और आशंकाओं का दौरा चल रहा है। इसी कड़ी में वरिष्ठ बीजेपी विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों पर मतगणना में गड़बड़ी की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सरकार मतगणना में लगे कर्मचारियों और अधिकारियों पर काउंटिंग में कांग्रेस को फायदा पहुंचाने के लिए दवाब बना रही है। रायपुर में सूर्य उपासना का पर्व छठ पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बने दो मंच में से एक मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम रही तो दूसरे मंच पर राजनीतिक संगम की बयार देखने को मिली। दरअसल, छठ पूजा के दौरान राजीनितक दलों के नेताओं ने न सिर्फ मंच साझा किया बल्कि चेहरे पर मुस्कान बिखेरे एक दूसरे से बातचीत के साथ ही जमकर हंसी ठिठोली भी की। चुनाव के बाद पहली बार रायपुरा के महादेव घाट में छठ पूजा आयोजन समिति के मंच पर सीएम भूपेश बघेल और पूर्व सीएम रमन सिंह एक साथ दिखे। इसके अलावा रायपुर दक्षिण से बीजेपी विधायक बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर मेयर एजाज ढेबर और कांग्रेस नेता आरपी सिंह भक्तिमय माहौल में बातचीत करते दिखे।

सिंधिया को लोकसभा चुनाव में उतारेगी बीजेपी?

भारतीय जनता पार्टी अब लोकसभा चुनाव में राज्यसभा के सांसदों के उतारने का विचार कर रही है। इनमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी और कविता पाटीदार भी संभावित नाम हो सकते हैं।

17 नए जिलों का मिलेगा गहलोत को फायदा

चुनावी गारंटियों से पहले अशोक गहलोत सरकार ने राजस्थान में 17 नए जिलों का ऐलान किया था। उस वक्त इसे मास्टर स्ट्रोक बताया गया। लेकिन इनमें आने वाली 50 में से 23 सीटों पर मतदान कम हुआ है। चुनाव नतीजे बताएंगे कि आखिर नए जिलों के गठन का फैसला कांग्रेस को कितना रास आएगा।

एग्जिट पोल ने बढ़ाई सियासी दलों की धड़कनें

कई सीटों पर बढ़ी बीजेपी व कांग्रेस की बेचैनी

मध्यप्रदेश में कहा जाता है कि मालवा-निमाड़ में जिस पार्टी की जीत होती है, राज्य में उसी की सरकार बनती है। प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो गया है। अब सबकी निगाहें 30 नवंबर को आए एग्जिट पोल के बाद 3 दिसंबर की मतगणना पर लगी हुई हैं। इसी बीच राजनीतिक दलों ने अपनी समीक्षा के बाद अपने-अपने जीत के दावे करना शुरू कर दिया है। राज्य में इस बार दोनों पार्टियों का फोकस आदिवासी मतदाताओं पर था। मालवा-निमाड़ का आदिवासी वोटर किसके पक्ष में गया है, इसे लेकर संशय बना हुआ है। कई सीटों पर भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिल रहा है। जबकि कुछ सीटों पर आदिवासी संगठन जयस का गहरा प्रभाव है। मालवा-निमाड़ की अधिकांश सीटों पर जयस के मैदान में उतरने से मुकाबला रोचक बना हुआ है। एमपी में आदिवासियों के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं। 47 में से 22 सीटें मालवा-निमाड़ क्षेत्र से आती हैं। करीब 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां जयस ने पूरी ताकत से चुनाव लड़ा है। इन सीटों पर उसका मुकाबला भाजपा-कांग्रेस के साथ था। करीब ऐसी 10 ऐसी विधानसभा सीटे हैं, जिनके परिणाम को लेकर भाजपा और कांग्रेस की बेचैनी बढ़ी हुई है। दोनों ही पार्टी के नेता इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि आखिर आदिवासी वोट किसके साथ गया है।

इन सीटों पर बिगड़ सकता है खेल

हरसूद : इस विधानसभा सीट से भाजपा ने वन मंत्री विजय शाह को मैदान में उतारा है। वहीं, कांग्रेस के टिकट पर सुखराम साल्वे ने चुनाव लड़ा है। यहां से जयस ने भी अपना उम्मीदवार खड़ा किया। जयस ने महेंद्र बड़ाई को टिकट दिया। फिलहाल इस सीट पर कांटे की लड़ाई है। आदिवासी बाहुल्य झाबुआ विधानसभा सीट से कांग्रेस ने पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के बेटे विक्रांत भूरिया को उम्मीदवार बनाया। वहीं, भाजपा ने भी यहां से भानू भूरिया को उतारा है। जयस ने यहां से अमर सिंह भाभर को टिकट दिया। इस सीट पर भी सभी की निगाहें हैं।

थांदला : थांदला विधानसभा सीट से कल सिंह भाभर को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया, तो वीर सिंह भूरिया को कांग्रेस ने टिकट दिया। यहां से जयस ने मानू सिंह डामौर को उतारा है। इस सीट पर भाजपा-कांग्रेस में मुख्य मुकाबला है। बीजेपी ने निर्मला भूरिया और कांग्रेस ने वेलसिंह मेड़ा को उतारा है। हालांकि जयस उम्मीदवार ने यहां लड़ाई को रोचक बना दिया है। जयस से बालू सिंह गामड़ उम्मीदवार हैं। इस विधानसभा सीट से जयस ने जिला पंचायत सदस्य रमेश चौहान का उम्मीदवार बनाया है। भाजपा से श्याम बर्डे उम्मीदवार हैं तो कांग्रेस की तरफ से चंद्रभागा किरोड़े मैदान में हैं। जोबट से भाजपा ने विशाल रावत और कांग्रेस ने सेना पटेल को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, जयस ने रिंकू बाला डावर को टिकट दिया है। रिंकू बाला डावर जिला पंचायत और जनपद का भी चुनाव जीत चुकी हैं। इस सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता हनी बघेल चुनाव लड़ते हैं। हनी बघेल, कमलनाथ कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं। भाजपा ने जयदीप पटेल को टिकट दिया है। जयस ने यहां से आदिवासी नेता बोंदल सिंह मुजाल्दा को उम्मीदवार बनाया है। इस विधानसभा सीट से कांग्रेस ने मुकेश पटेल को टिकट दिया है। वहीं, भाजपा ने नागर सिंह चौहान को उम्मीदवार बनाया है। यहां से जयस ने नवल सिंह मंडलोई को टिकट दिया है। इस सीट पर सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। यहां मतदाताओं ने 90 फीसदी वोटिंग की है। भाजपा से संगीता चारेला मैदान में हैं, तो कांग्रेस से हर्ष विजय गहलोत उम्मीदवार हैं। जयस ने यहां से कमलेश्वर डोडियार को टिकट दिया है। कमलेश्वर के बारे में कहा जाता है कि आदिवासी वोट बैंक में इनकी अच्छी पकड़ है। इस सीट से भाजपा ने मुरली भंवरा और कांग्रेस ने गोपाल भौंसले को उम्मीदवार बनाया है। जयस ने यहां से युवा नेता सूरज डावर को उम्मीदवार बनाकर मुकाबले को रोचक कर दिया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सिलक्यारा सुरंग की घटना से सबक लेने की जरूरत

बड़ी मश्क्कत के बाद आखिरकार उत्तराखंड के उत्तरकाशी के एकसुरंग में फंसे 41 श्रमिकों बचा लिया गया। संजोग रहा कि कोई अनहोनी नही हुई। पर इस घटना ने नीति निर्धारकों को संदेश दिया है कि उन्हें अब ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए ताकि कोई घटना दुबारा न हो। सरकारों को इससे सबकलेना चाहिए। खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन, उम्मीद, सकारात्मकता और हौसले की ताकत ने मिलकर आखिर प्रकृति के साथ लड़ी 17 दिन की जंग में जिन्दगी को विजयी बना दिया। सिलक्यारा सुरंग में आठ राज्यों के 41 मजदूरों को सकुशल जिन्दा निकाल लेने के 400 घंटों तक चले संघर्ष में जीत इंसान के चट्टानी हौसले के नाम दर्ज हुई। उत्तरकाशी टनल में फंसे इन सभी मजदूरों को जब मंगलवार रात सुरक्षित निकाला गया, तो देश ने राहत की सांस ली और दीपावली मनाई।

यह बचाव अभियान प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय बना है। जिसमें विज्ञान में विश्वास एवं आस्था ने मनोबल दिया। दीपावली के दिन से टनल में फंसे मजदूरों का सुरक्षित बाहर आना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। बचाव अभियान में हर मोड़ पर आती बाधाओं से बार-बार निराशा एवं नाउम्मीदी के बादल छाए जरूर, लेकिन बचाव दल के अथक प्रयास आखिर में रंग ले ही आए। बजाव कार्य में जुटे जाम्बाज राहत कर्मियों का भरोसा, केन्द्र एवं राज्य सरकार की पूरी ताकत एवं पूरे देश की प्रार्थनाओं का ही असर था जो डर, निराशा और दुश्चिंताओं को दूर करने का हौसला बराबर देता रहा। 17 दिन तक संकटकालीन स्थितियों में मजदूरों को जीवित रखने की चुनौती वाकई बहुत बड़ी थी, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें लगी थीं। मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन पानी पहुंचाना भी आसान नहीं था। तरह-तरह की बाधाओं एवं तकलीफों के बीच जिन्दगी बचाने की मुहिम निश्चित ही एक रोशनी बनी। इसमें सुरंग में फंसे मजबूरों ने जहां हर तरह से जिजीविषा एवं बहादूरी का परिचय दिया, वहीं बचाव कार्य में जुटे वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, तकनीकी जानकारों एवं कर्मियों ने दिन-रात एक करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बचाव अभियान एवं इसकी सफलता ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुआ है। इस बचाव अभियान ने यह भी बताया है कि हमे भी अब ऐसी तकनीकी लानी पड़ेगी कि अगर कोई इस तरह की घटना घटती है तो हमे इससे निकलने में समय न लगे।

“ खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन, उम्मीद, सकारात्मकता और हौसले की ताकत ने मिलकर आखिर प्रकृति के साथ लड़ी 17 दिन की जंग में जिन्दगी को विजयी बना दिया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दक्षिण का रुझान बताएगा तेलंगाना का सियासी मिजाज

वेद विलास उनियाल

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के आखिरी दौर में अब तेलंगाना पर सबकी निगाह है। दक्षिण के इस राज्य में इस बात को लेकर कौतूहल है कि बीआरएस के नेता कल्वा कुंतला चंद्रशेखर राव यानी केसीआर अपनी हैट्रिक बनाते हैं या कांग्रेस का सत्ता परिवर्तन का नारा बुलंद होता है। तेलंगाना की सियासत कई तरह की ऊहापोह के बीच झूलती रही। कभी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विकल्प के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सामने दिखी तो फिर बदली परिस्थितियों में कांग्रेस पार्टी ने अपनी धमक दिखाई। तेलंगाना की जमीन पर खड़े होकर केसीआर ने राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का नेतृत्व करने के मंसूबे भी संजोए। तेलंगाना में इसी बात पर अटकलें लगती रही कि भाजपा बीआरएस के साथ गठबंधन करेगी या फिर तेलुगू देशम को साथ जोड़ेगी। नाटकीय फेरबदल में भाजपा ने दोनों से अलग जनसेना पार्टी के साथ गठबंधन किया।

तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव ने अपनी पार्टी बीआरएस को राज्य में मजबूत आधार दिया है। केसीआर कभी एनटीआर और फिर चंद्रबाबू नायडू के मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुके हैं। लेकिन सधे हुए राजनेता की तरह वह अलग तेलंगाना की आवाज को उठाते रहे। साल 2014 में राज्य गठन के बाद पहले चुनाव हुए तो केसीआर का जादू चला और उनकी पार्टी राज्य में 63 सीटें जीतने में कामयाब रही। पांच साल बाद केसीआर का करिश्मा था कि पार्टी ने 15 सीटों की और बढ़ोतरी की। इस बार फिर केसीआर हैट्रिक बनाने के लिए राज्य के ओर-छोर नाप रहे हैं। हालांकि इस दौर के बीच केसीआर पर परिवारवाद को बढ़ावा देने और सरकार के भ्रष्टाचार में घिरने के आरोप लगते रहे हैं। राज्य में एंटी इनकमबेंसी को भांपते हुए मुख्यमंत्री केसीआर ने सरकार की योजनाओं-उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए काफी कोशिश की है। सत्तारूढ़ बीआरएस प्रमुख केसीआर ने खुद को चुनाव प्रचार में इस तरह झोंका हुआ है कि जिन दो सीटों पर वह खुद चुनाव लड़ रहे हैं वहां प्रचार के लिए ज्यादा समय नहीं निकाल पाए।

केसीआर गजवेल और कामारेड्डी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि बीसीआर का संगठन कांग्रेस व भाजपा की तुलना में काफी मजबूत है। लेकिन पार्टी एंटी इनकमबेंसी की आशंका को

भी समझ रही है। खास बात यह कि गजवेल की सीट पर उन्हें चुनौती देने वाले भाजपा के इटाला राजेंद्र कभी तेलंगाना आंदोलन में उनके साथ थे। बाद में वह मंत्री भी बने। वहीं रेवड़ी बांटने की होड़ तेलंगाना में भी दिखी। बीआरएस ने 400 रुपये में सिलेंडर, पांच लाख का मुफ्त बीमा, गरीब लड़कियों के विवाह में एक तोला सोना के साथ अपनी योजनाओं का जिक्र कर मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की है। तेलंगाना में बीआरएस ने रयथु बंधु आसरा पेंशन व रयथु भीम जैसी योजनाएं चलाकर बुजुर्गों, युवकों, महिलाओं, बीड़ी मजदूरों, आदिवासियों को साधने की कोशिश की है। वहीं यहां टीडीपी या आईएमआईएम जैसी पार्टियां सीमित दायरे में हैं। टीडीपी पहले चुनाव में जहां 15 सीटें जीती थी, वहीं 2018 में उसे केवल दो सीटें मिलीं। कहा जा सकता है कि कर्नाटक के चुनाव परिणाम से तेलंगाना की सियासत काफी प्रभावित हुई है। कर्नाटक में जिस तरह सफलता मिली उसके बाद कांग्रेस ने तेलंगाना पर काफी फोकस किया। एक समय भाजपा को बीआरएस के सामने प्रमुख पार्टी माना जा रहा था। लेकिन कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान से और दूसरी तरफ भाजपा की राज्य में असमंजस की सियासत के चलते कांग्रेस मुख्यधारा में आ गई। एक समय यह भी माना जा रहा था कि भाजपा राज्य में बीआरएस से समझौता कर सकती है, खासकर तब जब राज्य भाजपा के फायर ब्रांड नेता बंडी संजय को हटाकर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को प्रदेश संगठन का नेतृत्व दिया गया। कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में 18 सीटें हासिल की थी। साथ ही उसे 28.43 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। लोकसभा चुनाव में उसके हिस्से तीन सीटें आई और उसका मत प्रतिशत डेढ़ तक बढ़ा।

बदली परिस्थितियों में कांग्रेस मान रही है कि कर्नाटक की तरह जातीय समीकरण उसके पक्ष में होंगे। जहां मुस्लिमों को वह अपने साथ मान रही है वहीं रेड्डी समुदाय को प्रभावित करना चाह रही है। पार्टी के लिए स्टार प्रचारकों ने जमकर प्रचार किया है। हर चुनावी राज्य की तरह कांग्रेस ने यहां भी मतदाताओं को सात गारंटियां दी हैं। भाजपा के रणनीतिकारों ने भी तेलंगाना पर काफी प्रयोग किए। आखिर में पार्टी ने यही निर्णय लिया कि वह राज्य में बीआरएस के विरोधी दल के तौर पर दिखे। अमित शाह ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार में घिरे होने के आरोप लगाए।

तकनीक निर्माताओं को जवाबदेह बना घटेगा जोखिम

शरद सत्य चौहान

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीप-फेक को लेकर चिंता जताई थी, उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके डीप-फेक बनाने को समस्यापूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने मीडिया से आह्वान किया कि वह लोगों को इससे संलग्न जोखिमों के बारे में शिक्षित करें। हालिया वर्षों में, एआई तकनीक में हुई तेजी से तरक्की ने नागरिक कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में बेहतर मौके देने के साथ-साथ नई चुनौतियां भी पेश कर दी हैं। जहां एआई तकनीक विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर नये हल बताती है, वहीं इसने कुछ नए खतरे भी बना डाले हैं। इसमें डीप-फेक निर्माण और इसके जरिए सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने से जुड़े जोखिम की चुनौतियां भी शामिल हैं। एआई से चुनौती न केवल इससे जनित समस्याओं की है बल्कि इसका एक जन्मजात अवगुण यह है कि सैद्धांतिक तौर पर इनको नियंत्रित करना लगभग असंभव है। जो नियम-कायदे इसके लिए बने हैं, यह तकनीक उन्हीं को गच्चा देने की समर्था रखती है।

एआई का समावेश सामाजिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में करने से कानून एवं व्यवस्था लागू करवाने में नई-नई चुनौतियां दरपेश हैं। ऐसी एक चिंता है तकनीक के जरिए हेराफेरी कर किसी का चरित्र हनन। ऐसे कृत्यों में सबसे आगे है एआई से बनी डीप-फेक पोस्ट्स, जो हैरानकुन वास्तविकता वाली छद्म वीडियो और ऑडियो क्लिप बनाने में सक्षम है। ऐसे डीप-फेक उत्पादों से नागरिकों की सूचना की विश्वसनीयता और प्रशासन पर यकीन घटने का बहुत बड़ा खतरा बन गया है और साथ ही कानून लागू करवाने वाली एजेंसियों के लिए असली-नकली के बीच फर्क कर पाना बहुत मुश्किल हो चला है। यूं तो सोशल मीडिया का एआई एल्गोरिदम प्रयोगकर्ता के उपयोग अनुभवों में इजाफा करता है, लेकिन इससे तथ्यों से छेड़छाड़, गलत सूचनाएं और सामाजिक रार पैदा करने का खतरा भी पैदा हो गया है।

एआई द्वारा चालित बॉट्स और एल्गोरिदम से बैर करने वाली सामग्री से लोगों की सोच बदलने और समाज के विभिन्न तबकों के बीच ध्रुवीकरण बढ़ाया जा सकता है। लिहाजा ऑनलाइन खतरों के इस परिदृश्य से निपटने के लिए प्रतिरोधी नीतियों में निरंतर बदलाव करते रहना अनिवार्य बन गया है। भ्रामक सूचना फैलाने वाले अभियानों में, एआई चालित तकनीकें बहुत बड़े पैमाने पर दुष्प्रचार का निर्माण और प्रसार आसान बना रही हैं। जैसे-जैसे एआई तकनीक का एकीकरण महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक व्यवस्था में हो रहा है, साइबर अटैक का जोखिम बढ़ रहा है, अतएव ऐसे अत्याधुनिक उपाय करने जरूरी हो जाते हैं, जो गतिशील एआई-चालित नीतियों के जरिए निरंतर प्रतिरोधात्मक उपाय कर सके। एआई निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में जवाबदेही न होने से नागरिकों के भरोसे का ह्रास हो सकता है। इससे कानून-व्यवस्था लागू करवाने को यकीनी बनाने की खातिर किसी एआई मॉडल की मंशा को वक्त रहते समझ में आने योग्य समर्था पास होने की अहमियत को बल मिलता है। पक्षपातपूर्ण एल्गोरिदम से बनी चिंताएं, एआई मॉडल्स का अबाध इस्तेमाल और फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक नागरिक निजता की स्वतंत्रता बरकरार रखने हेतु एक क्रियाशील तंत्र और नैतिकतापूर्ण एआई की स्थापना के महत्व को रेखांकित करती है।

वीडियो आधारित निगरानी में एआई का समावेश बेशक निगरानी व्यवस्था में क्षमता में इजाफा होता है लेकिन इससे नई चुनौतियां भी बन रही हैं, मसलन, फुटेज में छेड़छाड़। दृश्य-प्रमाणों की विश्वसनीयता बनाए रखने को सत्यापना एवं सुरक्षा रणनीति बनाना जरूरी है। अनुमान आधारित पुलिस तैनाती, एआई एल्गोरिदम के जरिए अपराधी के संभावित वारदात-स्थल का पूर्वानुमान लगाने संबंधित प्रणाली में एक चुनौती यह भी है कि कहीं ऐसा न हो कि मौजूदा असमानता भरी प्रवृत्ति पक्षपाती एल्गोरिदम बनाने में भी कायम रहे। नागरिकों का कानून-व्यवस्था में भरोसा बनाए रखने के लिए पूर्वानुमान आधारित पुलिस तैनाती मॉडल का पक्षपात रहित रहना जरूरी है। एआई प्रणाली के अंदर एल्गोरिदम की जवाबदेही और पक्षपात रहित रहना एक चुनौती बना हुआ है, क्योंकि किन्हीं खास समूहों को निशाना बनाने और अन्यायपूर्ण शिनाख्त की संभावना है।

फिर निजता संबंधी चिंताएं, खासकर फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक से कानून व्यवस्था बनाए रखने में एआई का उपयोग और किसी व्यक्ति की निजता के बीच संतुलन कितना हो, इस पर सवाल पैदा हो रहा है। विचारपूर्ण चिंतन और क्रियान्वयन सावधानियां अनिवार्य हैं। एआई चालित निगरानी प्रणाली के व्यापक उपयोग से 'हरेक पर हर वक्त' नजर रखने वाला निजाम बन जाने की भी चिंताएं पैदा हो रही हैं। नागरिक सुरक्षा और व्यक्तिगत निजता की आजादी के बीच संतुलन रखना, संभावित सामाजिक अराजकता से बचाने में महत्वपूर्ण होगा। कानूनी फैसले लेने में दक्षता बढ़ाने को एआई को अधिमान और समानता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना प्रशासन के लिए चुनौती होगा। स्वतंत्र रूप से काम करने वाली प्रणालियां, जैसे कि एआई युक्त ड्रोन या वाहन, नागरिक सुरक्षा पर चिंता पैदा कर रहे हैं, क्योंकि दुष्ट प्रवृत्ति लोगों द्वारा इनको हैक करके दुरुपयोग की संभावना रहेगी। एआई में यह संभावना भी है कि वह कानूनी नुक्तों का दोहन और दुरुपयोग करके खुद कानून को ही गुमराह करने वाले कानूनी कमजोरियों को पहचान ले, विशेषकर साइबर अपराध नियंत्रण और एआई नियमन में।

सर्दियों में मेकअप के वक्त इन बातों का रखें ध्यान

सर्दियों के मौसम की शुरुआत हो गई है। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे ये मौसम पसंद नहीं होगा। इस मौसम में लोग घूमने को निकलते हैं और इसी मौसम में सबसे ज्यादा शादियां होती हैं। ऐसे में इस मौसम में महिलाओं को मेकअप करने के काफी मौके आते हैं। इसी मौसम में चेहरे पर कई तरह के बदलाव होते हैं, जिसका असर मेकअप पर दिखने लगता है। दरअसल, सर्दियों के मौसम में अगर मेकअप करते वक्त थोड़ी सी भी लापरवाही कर दी गई तो चेहरे पर क्रेक दिखने लगते हैं। इसी वजह से चेहरा खूबसूरत दिखने की बजाय अजीब दिखने लगता है। इसलिए सर्दियों में मेकअप करते वक्त कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। जिससे आपका चेहरा खूबसूरत बना रहेगा।

जरूर करें मसाज

सर्दियों के मौसम में अपने चेहरे पर मेकअप करने से पहले मसाज जरूर करें। इससे आपके चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन सही हो जाएगा। मसाज करने के लिए उंगलियों की मदद से चेहरे पर करीब 2 मिनट तक हल्के हाथ से मसाज करें। इसके बाद आपकी त्वचा मुलायम हो जाएगी। अपने चेहरे की मालिश करने से त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में मदद मिलती है, जो एक स्वस्थ, चमकदार रंगत को बढ़ावा दे सकता है। बेहतर रक्त प्रवाह विषाक्त पदार्थों को हटाते हुए त्वचा की कोशिकाओं को ऑक्सीजन और पोषक तत्व प्रदान करता है, जिसके परिणामस्वरूप एक उज्ज्वल और अधिक युवा उपस्थिति होती है। चेहरे की मालिश चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने और तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। चेहरे की मालिश चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने और तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। यह आत्म-देखभाल और आरम देने में भी मदद कर सकता है, तनाव को कम कर सकता है और आपके शरीर को भी अच्छा महसूस कराने में मदद करता है।

ग्लॉसी मेकअप प्रोडक्ट का करें प्रयोग

सर्दियों के मौसम में हमेशा ग्लॉसी मेकअप प्रोडक्ट को ही प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर आप मैट प्रोडक्ट का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी स्किन ड्राई दिखने लगेगी। चमकदार मेकअप उत्पादों का त्वचा पर हल्का और हल्का चमकीला प्रभाव होता है और इन्हें फाउंडेशन के साथ या उसके बिना भी पहना जा सकता है। चमकदार गालों की खूबसूरती यह है कि वे ऊंचे गालों का भ्रम पैदा करके आपके चेहरे को परिभाषित करते हैं।

लिक्विड इल्युमिनेटर को न भूलें

चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए सर्दियों के मौसम में भी लिक्विड इल्युमिनेटर का इस्तेमाल करना ना भूलें। आप चाहें तो फाउंडेशन में लिक्विड इल्युमिनेटर मिलाकर लगा सकते हैं, इससे चेहरा ग्लो करेगा और त्वचा मुलायम रहेगी। इल्यूमिनेटर क्रीम हाइलाइटर पाउडर, क्रीम और लोशन तीनों फॉर्म में आपको मिल जाता है। इल्यूमिनेटर क्रीम त्वचा में एब्जॉर्ब होने के बाद उसे चमत्कार बनाती है, वहीं हाइलाइटर त्वचा के ऊपर एक परत की तरह चिपक जाता है।

लिपस्टिक से पहले करें ये काम

सर्दियों के मौसम में अगर आप मैट लिपस्टिक लगाते हैं, तो आपके होंठ कुछ देर में ड्राई होने लगते हैं। ऐसे में लिपस्टिक के इस्तेमाल से पहले लिप बाम का इस्तेमाल जरूर करें। लिप कलर लगाने से पहले होंठों पर स्क्रब लगाकर एक्सफोलिएट कर लें। ताकि होंठ चिकने और मुलायम हो जाए। लिपस्टिक लगाने से पहले हमेशा फाउंडेशन लगाएं।

हंसना मना है

फादर- अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर- क्या परिणाम आया तुम्मारा, सन- दिमाग का दही मत कर बाबूलाल, तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पार लिखा था, कृपया शोर ना करे। किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति- अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नही निकाल सकती? पत्नी- अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नही चबा सकते?

अर्ज है- रोज रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

थप्पड मारने पर नाराज वाईफ से हसबंड बोला- आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है. वाईफ ने हसबंड को 2 थप्पड मारे और बोली- आप क्या समझते हैं मैं आपसे प्यार नहीं करती।

कहानी | हरा घोड़ा

एक शाम राजा अकबर बीरबल के साथ अपने शाही बगीचे की सैर के लिए निकले। वह बगीचा बहुत ही शानदार था। चारों ओर हरियाली ही हरियाली थी और फूलों की खुशबू वातावरण को और भी खूबसूरत बना रही थी। ऐसे में राजा को जाने क्या सूझा कि उन्होंने बीरबल से कहा, बीरबल! हमारा मन है कि इस हरे भरे बगीचे में हम हरे घोड़े में बैठ कर घूमें। इसलिए मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तुम सात दिनों के अंदर हमारे लिए एक हरे घोड़े का इंतजाम करो। वहीं अगर तुम इस आदेश को पूरा करने में असफल रहते हो, तो तुम कभी भी मुझे अपनी शक्ल न दिखाना। इस बात से राजा व बीरबल दोनों वाकिफ थे कि आज तक दुनिया में हरे रंग का घोड़ा नहीं हुआ है। फिर भी राजा चाहते थे कि बीरबल किसी बात में अपनी हार स्वीकार करें। इसी कारण उन्होंने बीरबल को ऐसा आदेश दिया। मगर, बीरबल भी बहुत चालाक थे। वो भली भांति जानते थे कि राजा उनसे क्या चाहते हैं। इसलिए वो भी घोड़ा ढूंढने का बहाना बनाकर सात दिनों तक इधर-उधर घूमते रहे। आठवें दिन बीरबल दरबार में राजा के सामने पहुंचे और बोले, महाराज! आपकी आज्ञा के अनुसार मैंने आपके लिए हरे घोड़े का इंतजाम कर लिया है। मगर, उसके मालिक की दो शर्तें हैं। राजा ने उत्सुकता से दोनों शर्तों के बारे में पूछा। तब बीरबल ने जवाब दिया, पहली शर्त यह है कि उस हरे घोड़े को लाने के लिए आपको स्वयं जाना होगा। राजा इस शर्त के लिए तैयार हो गए। फिर उन्होंने दूसरी शर्त के बारे में पूछा। तब बीरबल ने कहा, घोड़े के मालिक की दूसरी शर्त यह है कि आपको घोड़ा लेने जाने के लिए सप्ताह के सातों दिन के अलावा कोई और दिन चुनना होगा। यह सुन राजा हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। तब बीरबल ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, महाराज! घोड़े का मालिक कहता है कि हरे रंग के खास घोड़े को लाने के लिए उसकी यह खास शर्तें तो माननी ही होंगी। राजा अकबर बीरबल की यह चतुराई भरी बात सुनकर खुश हो गए और मान गए कि बीरबल से उसकी हार मनवाना वाकई में बहुत मुश्किल काम है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है।

वृषभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा।

कर्क क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु-खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है।

कन्या मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें।

तुला यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं।

वृश्चिक अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें।

धनु नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी।

मकर नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

बेटी आदिरा को लाइमलाइट से रखती हूं दूर : रानी मुखर्जी

करण जौहर इन दिनों अपने टॉक शो कॉफी विद करण सीजन 8 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस सीजन के नए एपिसोड में बॉलीवुड की दो मशहूर अभिनेत्रियां काजोल और रानी मुखर्जी करण के शो की शोभा बढ़ाती नजर आईं। करण जौहर के साथ दोनों अभिनेत्रियों ने अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़े कई खुलासे किए। रानी मुखर्जी ने अपनी बेटी को लाइमलाइट से दूर रखने पर भी खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी बेटी आदिरा को स्पेशल महसूस नहीं कराना चाहती हैं। करण जौहर ने रानी मुखर्जी से पूछा कि वे अपनी बेटी को लाइमलाइट से दूर क्यों रखती हैं? अभिनेत्री ने मजाकिया अंदाज में इसका जवाब देते हुए कहा, मैं बस उनसे कहती हूं कि मेरी बेटी की तस्वीर न लें। वे मेरी आंखों में देखते हैं और डर जाते हैं। वास्तव में मैं सभी पैपराजी और मीडिया के सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहती हूं, क्योंकि आदिरा के जन्म के बाद से मीडिया और पैपराजी ने मेरे बात सुनी। अभिनेत्री ने आगे कहा, वे वास्तव में मुझसे प्यार करते हैं। मैं नहीं चाहती कि आदिरा की तस्वीर ली जाए, क्योंकि हम आदिरा को स्पेशल महसूस नहीं कराना चाहते हैं। मैं चाहती हूं कि वह साधारण बच्चों की तरह अपना जीवन जीएं। मेरी कोशिश रहती है कि स्कूल में भी आदिरा स्पेशल महसूस न करें, और वे सभी बच्चों की तरह महसूस करें। ये सब तभी होगा जब उसकी तस्वीरें नहीं खींची जाएंगी। आदिरा लाइमलाइट से दूर रहेगी तो वह आम बच्ची की तरह रह सकेगी। रानी मुखर्जी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में नजर आई थीं। इस फिल्म का निर्देशन आशिमा छिब्बर द्वारा किया गया था।

आज रिलीज होगा प्रभास की फिल्म सालार पार्ट-1 का ट्रेलर

प्रभास स्टारर फिल्म 'सालार पार्ट-1 सीजफायर' साल 2023 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। इस फिल्म की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं अब फाइनली 'सालार पार्ट 1, सीजफायर' का इंतजार खत्म होने के करीब आ रहा है। दरअसल फिल्म बड़े पर्दे पर आने से बस कुछ ही हफ्ते दूर है। जुलाई में रिलीज हुए फिल्म के टीजर से लोग काफी इंप्रेस हुए थे और अब फिल्म के ट्रेलर को लेकर भी हर कोई एक्साइटेड हैं। प्रभास की मच अवेटेड फिल्म फिल्म 'सालार पार्ट 1: सीजफायर' का ट्रेलर आज शाम 19:19 बजे 7 बजकर 19 मिनट पर रिलीज कर दिया जाएगा। प्रभास ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर

शेयर कर ट्रेलर रिलीज की डेट और टाइमिंग की अनाउंसमेंट की है। फिलहाल फैंस 'सालार पार्ट 1' के ट्रेलर को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

'सालार पार्ट-1' रिलीज से पहले कर चुकी है मोटी कमाई

'सालार पार्ट 1' ने रिलीज से पहले ही खूब नोट छाप लिए हैं। दरअसल फिल्म के ओटीटी राइट्स बिक चुके हैं। गेट्स सिनेमा की खबरों के मुताबिक फिल्म के ओटीटी राइट्स नेटफ्लिक्स ने 160 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। बता दें कि 'सालार पार्ट 1' में केजीएफ डायरेक्टर प्रशांत नील और प्रभास ने पहली बार कोलैबोरेट किया है। होम्बले फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म में प्रभास के अलावा श्रुति हासन, पृथ्वीराज सुकुमारन और जगपति बाबू ने अहम रोल प्ले किया है। ये फिल्म 22 दिसंबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलायलम में रिलीज होगी। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म की रिलीज के एक दिन पहले शाहरुख खान की राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म 'डंकी' भी सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ऐसे में दो सुपरस्टार के बीच कड़ी टक्कर देखना दिलचस्प होगा।

हां मैंने छुपाई थी अपनी शादी और बच्चियों की बात : पाखी

कम लोगों को ही पता है कि अभिनेत्री पाखी हेगड़े ने फिल्मों में जब अपने करियर की शुरुआत की तो वह पहले से ही शादीशुदा थीं और दो बेटियों की मां भी थीं। यह बात पाखी ने काफी समय तक छुपाकर रखी और नए नाम और नई पहचान से एक्टिंग प्रोफेशन में कदम रखा। पाखी हेगड़े कहती हैं कि उनका बचपन बहुत ही अभाव में गुजरा, वह नहीं चाहती थी कि उनकी बेटियों का भविष्य आगे चलकर खराब हो। उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया जब उन्हें लगने लगा अपनी बेटियों साथ अपनी जिंदगी खत्म कर लेंगी। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी, पाखी हेगड़े की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि ग्रेजुएशन करने के बाद मैं अपने करियर के बारे में सोच ही रही थी कि 19 साल की उम्र में मेरी शादी हो गई। मेरा बचपन बहुत ही अभाव में ही गुजरा। मेरी पढ़ने की बहुत ही चाहत रही। मेरे पापा मधुकर शेट्टी की मृत्यु तब हो गई थी, जब मैं चौथी कक्षा में थी। पापा के गुजरने के बाद मेरी मां सीता शेट्टी हमेशा मेरी शादी को लेकर चिंचित रहती थी। जितनी जल्दी शादी हुई, उतने ही जल्दी बच्चे भी हो गए। एक समय पर मुझे लगा कि आगे चलकर मेरे बच्चों को समस्या हो सकती है। पति के शराब पीने की आदतों से पारिवारिक जिंदगी डिस्टर्ब होने लगी। मैं भी बहुत ज्यादा डिस्टर्ब हो रही थी। फिर मैंने सोचा कि बच्चों के साथ अपनी जिंदगी अकेले गुजारनी चाहिए।

भोजपुरी | मसाला

वसई में पापा का एक छोटा सा होटल था। तीन भाई और दो बहनों में सबसे छोटी मैं ही हूं। पापा की मृत्यु हुई तो एक भाई पांचवी और एक भाई छठवीं में था। दोनों को पढ़ाई छुड़ाकर होटल पर बैठा दिया गया ताकि घर खर्च चल सके। बचपन में जब पिता का साया सिर से उठ जाए तो काफी मुश्किलें आती हैं। मां ने किसी तरह से हमारी परवरिश की। खैर, जब मैंने पति से अलग रहने का फैसला किया, तो सोच लिया था कि मुझे घर वापस नहीं जाना है। सोचा कि घर वापस जाऊंगी तो भाइयों की जिंदगी को डिस्टर्ब करूंगी। घर वालों ने तो अपना फर्ज निभा ही दिया था। बेटी और बहन होने के नाते मुझे भी अपना फर्ज निभाना था। मैंने सोचा जो कुछ भी करना है, अपने पैरों पर खड़े होकर करना है। सवाल यह था कि क्या किया जाए। मैं बच्चों को पढ़ाती भी थी। मेरी एक स्टूडेंट एक्टिंग करती थी, उसी ने मुझे सुझाव दिया कि एक्टिंग करनी चाहिए।

अजब-गजब | इसे बताया जाता है शापित तुरही

इस तुरही के बजाने से हो गया था विश्वयुद्ध

प्राचीन मिस्र के राजा तुतनखामुन की तुरही को शापित माना जाता है। 3000 हजार सालों से अधिक सालों में पहली बार जब इसे बजाया गया, वो एक दिल को दहला देने वाला क्षण था। माना जाता है कि 84 साल पहले 15 करोड़ श्रोताओं के लिए इंटरनेशनल लेवल ब्रॉडकास्ट की गई, इसकी भयावह ध्वनि ने सेकंड वर्ल्ड वॉर को जन्म दिया था। दुनियाभर में विनाशकारी संघर्ष शुरू होने से लगभग साढ़े चार महीने पहले 16 अप्रैल 1939 को बीबीसी ने इस तुरही की पहले से रिकॉर्ड ध्वनि को प्रसारित किया था। इसके बाद इतिहास के सबसे घातक सैन्य संघर्ष में 6 सालों की लड़ाई में अनुमानित रूप से कुल 7 से 8.5 करोड़ लोग मारे गए थे।

परिणास्वरूप, इस तुरही को लेकर एक किंवदंती बन गई कि तूतनखामुन की तुरही में युद्ध बुलाने की जादुई शक्ति है। तुरही प्रिंस अल्बर्ट की अपनी 11वीं रॉयल हसर्स रेजिमेंट के बैंडमैन जेम्स टापरन द्वारा बजाई गई थी। उस समय रेक्स कीटिंग रेडियो के एक प्रसिद्ध शख्स हुआ करते थे। उनके इसके प्रसारण करने से 5 मिनट पहले ही काहिरा में बिजली चली गई और उन्हें मोमबत्ती की रोशनी में अपनी स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। शायद यह एक प्रारंभिक चेतावनी का संकेत था, फिर भी रेक्स आगे बढ़े और उन्होंने प्रसारण को जारी रखा।

तीन मिनट की रिकॉर्डिंग में, दोनों तुरही में से भयानक आवाजें निकालती हैं। रेक्स कीटिंग ने बताया किया कि उनमें से किसी भी वाद्ययंत्र को बजाना आसान नहीं था, 'विशेषकर' कांस्य के वाद्ययंत्र को बजाना आसान नहीं था।' आर्कियोलॉजिस्ट हॉवर्ड कार्टर को 1922 में मिस्र में तूतनखामुन के मकबरे में खोजे गए प्राचीन उपकरणों के साथ ये तुरही मिली थीं, जिनको दुनिया की सबसे पुरानी चलती हुई तुरही के रूप में जाना जाता है, जिनमें से एक कांस्य से जबकि दूसरी चांदी से बनी हुई है। इनमें लकड़ी का कोर है, लेकिन दोनों पर रा-होराख्ती, पट्टा और अमुन देवताओं की सजावटी आकृतियां उकेरी गई हैं।

जो लगभग 58 सेमी (22.83 इंच) लंबाई और 4 सेमी (1.57 इंच) चौड़ी हैं। ऐसा माना जाता है कि इनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया था। एक्सपर्ट्स ने निष्कर्ष निकाला कि यह संभव है कि राजा तूतनखामुन ने संभवतः अपनी सेनाओं के साथ संचार करने के लिए उनका उपयोग किया होगा, इसलिए उन्होंने उपकरणों को युद्ध से जोड़ा होगा। इसलिए, जब 1939 में जेम्स टापरन ने 3,000 से अधिक सालों में पहली बार तुरही बजाई और कुछ ही समय बाद सेकंड वर्ल्ड वॉर हुआ था। यह भी माना जाता था कि 1922 में तूतनखामुन की कब्र की खोज के बाद श्राप हटा लिया गया था। अगले सालों में हॉवर्ड कार्टर की टीम के कई सदस्यों की रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। कार्टर ने गुस्से में पूरे अभिशाप के विचार को ही खारिज कर दिया, लेकिन 1939 में ट्रम्पेट बजाए जाने से एक महीने पहले उनकी मृत्यु के बाद इनसे जुड़ी ममी के अभिशाप की कहानी फिर जीवंत हो गई और आज तक कायम है।

मात्र 53 रुपए में आपका हो सकता है बंगला, कार पार्किंग भी है घर के अंदर

हर कोई चाहता है कि वो अपने लिए एक ऐसा घर बनाना चाहता है, वो अलग हो। इसके लिए वो कोशिश करता है कि चीजें बजट में मिल जाएं और उसकी सारी जरूरतें भी पूरी हो जाएं। वो बात अलग है कि आज के जमाने में सस्ता घर मिलना आसान नहीं है। ऐसे में अगर हम आपको बताएं कि कोई बंगला आपको औने-पौने दाम में मिल रहा है, तो चौंकना लाजमी है। अपने देश में भी घरों के रेट कम नहीं हैं लेकिन अब तक आपने सुना होगा कि यूनाइटेड किंगडम में घर बहुत महंगे होते हैं। यहां किराये के घर लेने के लिए भी लोगों को आराम से लाखों रुपये खर्च करने पड़ जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे घर के बारे में बताएंगे, जो सिर्फ 53 रुपये की छोटी सी रकम में आपका हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टिन का ये बंगला छोटे से माइनिंग विलेज में बना हुआ है। इसे सिर्फ और सिर्फ 53 रुपये में बेचा जा रहा है। कहने को तो ये बंगला है, लेकिन इसे टिन की शीट्स से बनाया गया है लेकिन इसमें इतना स्पेस है कि एक कार भी पार्क की जा सकती है। इसे न्यूपोर्ट बेस्ड Paul Fosh Auctions की ओर से बेचा जा रहा है। अपनी खराब कंडीशन की वजह से इसे इतने सस्ते में बेचा जा रहा है। ऐसे में इसे खरीदने वालों के लिए ये डील आसान होगी लेकिन उन्हें पूरी प्लानिंग रखनी पड़ेगी। आप टिक के दो बंगलों को आराम से खरीद तो सकेंगे लेकिन इसके लिए आपका अमीर होना जरूरी है। अगर आप अमीर नहीं हुए, तो इसके रेनोवेशन के बारे में भूल जाइए। चूंकि इसकी लोकेशन अच्छी है, ऐसे में अगर इसे ठीक-ठाक कंडीशन में रखा जाएगा तो रेंट आउट भी किया जा सकता है। इसमें लाउंज, किचन और बेडरूम्स भी हैं। पार्किंग एरिया से बेहतरीन नजारे भी देखे जा सकते हैं क्योंकि आसपास घूमने की बहुत सी जगहें हैं।

कुछ भी कहिए कांग्रेस ही बनाएगी सरकार : गहलोत

बोले- राजस्थान की जनता को नहीं भाई बीजेपी नेताओं की भाषा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में 200 में से 199 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हो चुके हैं। 25 नवंबर को राज्य में एक चरण में चुनाव हुए। राजस्थान में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। राजस्थान चुनाव के नतीजे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना के साथ ही 3 दिसंबर को आएंगे। राजस्थान में कांग्रेस के समक्ष सत्ता बचाने की बड़ी चुनौती है और भाजपा से उसे कड़ी टक्कर भी मिल रही है। इन सब के बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल चाहे कुछ भी कहें, राजस्थान में कांग्रेस सरकार बनाएगी। पांचों राज्यों में से किसी में भी बीजेपी नहीं जीत रही है। राजस्थान में जनता हमारी सरकार दोहराएगी और इसके 3 कारण हैं।

गहलोत ने आगे कहा कि पहला कारण यह है कि सरकार के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है, ऐसा विशेषज्ञ भी कह रहे हैं। दूसरे हैं सीएम। बीजेपी के वोटर भी यही कहेंगे कि सीएम ने विकास कार्य करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। तीसरी है प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, भाजपा मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों द्वारा बोली जाने वाली भाषा। वह भाषा किसी को पसंद नहीं आयी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव में भाजपा ने धर्म की आड़ में डरावनी और तनाव भरी बातें कीं। अगर भाजपा का धर्म का कार्ड चल गया तो अलग बात है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि अगर धर्म का कार्ड नहीं चला तो हम सरकार बनाएंगे।

पीएम मोदी की पहले वाली आभा नहीं रही

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को यूपी की सुल्तानपुर अदालत के समन पर राजस्थान के सीएम और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि इसकी कीमत उन्हें (भाजपा को) 2024 में चुकानी पड़ेगी। पीएम मोदी की जो आभा पहले थी, वह अब नहीं रही। वे यह नहीं समझ पा रहे हैं कि...वे लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। ईडी, आईटी और सीबीआई को लोगों के घरों में भेजा जा रहा है और वे इन एजेंसियों की विश्वसनीयता खत्म कर रहे हैं...लोगों को अब एहसास होने लगा है कि वे करते कुछ और हैं और कहते कुछ और हैं।

सिंहदेव ने एग्जिट पोल पर दी अपनी प्रतिक्रिया, कहा-

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बरकरार रहेगी

» बोले- आलाकमान जिसे भी मुख्यमंत्री बनाएगा वह सभी को स्वीकार होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि कांग्रेस राज्य में सत्ता बरकरार रखेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान जिसे भी मुख्यमंत्री बनाएगा वह सभी को स्वीकार होगा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिंहदेव ने कहा कि सभी को तीन दिसंबर तक का इंतजार करना चाहिए।

विधानसभा चुनाव परिणाम की भविष्यवाणियों के बारे में पूछे जाने पर सिंहदेव ने नई दिल्ली में कहा, जहां तक अनुमानों का सवाल है, मैं हमेशा उन्हें गंभीरता से लेता हूं। ये विभिन्न समाचार चैनलों और एजेंसियों द्वारा यह अनुमान लगाने का प्रयास है कि चुनाव में क्या हुआ होगा। हमें तीन तारीख का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार आनी चाहिए। राजस्थान में हम बेहतर हैं लेकिन वहां पांच साल एक पार्टी, अगले पांच साल दूसरी पार्टी की सरकार बनती है, इसलिए यही एकमात्र झिझक है। तेलंगाना में कांग्रेस बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है और वहां सरकार बनने की पूरी संभावना है। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में हम सरकार बना रहे हैं। सिंहदेव ने कहा, राजस्थान मुश्किल नजर आ रहा है।

फासीवादी लोगों को हटाने की जरूरत

यह पूछे जाने पर कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों का अगले साल के लोकसभा चुनावों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, उन्होंने कहा, इससे माहौल बनेगा। इन चुनावों में कांग्रेस का अच्छा प्रदर्शन निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन के लिए माहौल तैयार करेगा। हम बदलाव चाहते हैं और बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश की सत्ता में बैठे इन फासीवादी लोगों को हटाने की जरूरत है। देश में कई एग्जिट पोल ने छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के बीच कांटे की टक्कर की भविष्यवाणी की है।

संक्षिप्त खबरें

केरल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका, कन्नूर विवि के कुलपति की पुनर्नियुक्ति को किया रद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति की पुनर्नियुक्ति को रद करने का फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि पुनर्नियुक्ति राज्य सरकार के हस्तक्षेप के कारण खत्म हुई है। ये फैसला केरल सरकार के लिए एक झटका है। सुप्रीम कोर्ट कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में डॉ. गोपीनाथ रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना फैसला सुनाया। कन्नूर विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य डॉ. प्रेमचंद्रन कीज़ोथ और अकादमिक परिषद के सदस्य शिनो पी जोस ने गोपीनाथ रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि 60 साल से अधिक उम्र के व्यक्ति को दोबारा वीसी कैसे नियुक्त किया जा सकता है. कन्नूर विश्वविद्यालय के नियम कहते हैं कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को वीसी के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में चांसलर गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान ने पुनर्नियुक्ति का पुरजोर विरोध किया। फैसला सुनाते हुए जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि हमने चार प्रश्नों का समाधान किया है।

नवीन पटनायक करेंगे पटना का दौरा

पटना। नवंबर आज खत्म हो रहा है और दिसंबर में एक तरफ देश के पांच राज्यों का चुनाव परिणाम आएगा तो दूसरी तरफ राजनीतिक रूप से उर्वर बिहार की धरती पर दो ध्रुवों का मिलन होगा। यह मिलन मेलमिलाप वाला होगा या तालमेल या सिर्फ मिलने वाला- यह देखना रोचक होगा। क्योंकि, इस बार देश के गृहमंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पटना आ रहे हैं और अबतक की योजना के अनुसार उनकी भेंट बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए जनादेश लेकर सरकार बनाने के बाद आधे रास्ते में महागठबंधन का हाथ थामने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भाजपा के बाकी नेताओं के साथ अमित शाह लगातार तीखा बोलते रहे हैं। जवाब सीएम भी देते रहे हैं। मिलन कराने वाली इस बैठक में ओडिसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात होगी। यह भी मायने रखेगी, क्योंकि विपक्षी दलों की पटना में 23 जून को पहली बैठक के पहले दोनों की मुलाकात का फायदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बन रहे भाजपा-विरोधी दलों के गठबंधन को नहीं मिला था। बैठक में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को भी आना है, लेकिन संभव है कि जिस तरह पटना में बैठक नहीं होने पर नीतीश ने तेजस्वी यादव को भेज दिया था, उसी तरह कुछ ममता भी करें।

सूर्यकुमार टी-20, राहुल वनडे व टेस्ट में रोहित को जिम्मेदारी

नई दिल्ली। टेस्ट श्रृंखला में राहुल विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाएंगे। रोहित और विराट कोहली दोनों ने बीसीसीआई से दौरे के सीमित ओवरों के चरण से ब्रेक लेने का आग्रह किया था। अखिल भारतीय वरिष्ठ पुरुष चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए भारत की वनडे और टी20 टीम की घोषणा कर दी है। घोषणा से पुष्टि होती है कि चयन समिति फिलहाल सूर्यकुमार यादव को टी-20ई में कप्तान बनाए रखने की इच्छुक है क्योंकि उन्हें दौरे के टी-20ई चरण के लिए कप्तान नामित किया गया है। वहीं केएल राहुल को दौरे पर वनडे टीम का नेतृत्व करने के लिए कहा गया है। बीसीसीआई की चयन समिति ने सेंचुरियन में 26 दिसंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह को उप कप्तान बनाने का फैसला किया है जबकि रोहित शर्मा टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे। टेस्ट श्रृंखला में राहुल विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाएंगे। रोहित और विराट कोहली दोनों ने बीसीसीआई से दौरे के सीमित ओवरों के चरण से ब्रेक लेने का आग्रह किया था।

दिल्ली-एनसीआर की हवा में फिर घुला जहर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा एक बार फिर जहरीली होती नजर आ रही है। नवंबर की शुरुआत से ही दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना दुश्वार हो गया है। पूरे नवंबर दिल्ली और इसके आसपास के इलाके में लोग साफ हवा में सांस लेने को तरस गए हैं। वहीं, दिसंबर की शुरुआत में भी दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। हालांकि, सप्ताह की शुरुआत में प्रदूषण स्तर में गिरावट देखी जा रही थी, जिसके कारण सुधार की उम्मीद थी, लेकिन अब प्रदूषण का स्तर दोबारा बढ़ने लगा है। इस समय दिल्ली वालों को प्रदूषण के साथ-साथ ठंड की मार भी झेलनी पड़ रही है। शुक्रवार की सुबह 7 बजे के दिल्ली का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया ।

कोहरे की मार, 24 ट्रेनें फरवरी तक निरस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोहरे के चलते डबलडेकर, हमसफर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें 29 फरवरी तक निरस्त रहेंगी। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि 12583/84 लखनऊ जं. आनन्दविहार टर्मिनल डबलडेकर एक्सप्रेस 29 फरवरी तक निरस्त रहेगी।

वहीं, सात दिसंबर से 29 फरवरी तक 15621 कामाख्या आनंदविहार टर्मिनल, आठ दिसंबर से एक मार्च तक 15622 आनंदविहार टर्मिनल कामाख्या, सात दिसंबर से 29 फरवरी तक 14673 जयनगर अमृतसर एक्सप्रेस व पांच दिसंबर से 27 फरवरी तक 14674 अमृतसर जयनगर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। इसी क्रम में 12529/30 पाटलिपुत्र लखनऊ जं. पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, 12571/72 गोरखपुर आनंदविहार टर्मिनल गोरखपुर, 15073/75 सिंगरौली शक्तिनगर टनकपुर एक्सप्रेस, 15074/76 टनकपुर सिंगरौली शक्तिनगर एक्सप्रेस, 15053/54 छपरा लखनऊ छपरा एक्सप्रेस, 15079/80 पाटलिपुत्र गोरखपुर पाटलिपुत्र, 15083/84 छपरा फर्रुखाबाद छपरा एक्सप्रेस, 12225/26 आजमगढ़ दिल्ली आजमगढ़ एक्सप्रेस व 11123/24 ग्वालियर बरौनी ग्वालियर एक्सप्रेस अलग-अलग तारीखों में निरस्त रहेंगी।

रोहन-अश्विनी की जोड़ी ने मारी बाजी

सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में प्रतियोगिता दूसरे दौर में पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इस युगल ने ताइवान के ह्वान-यी वू और चू युन की जोड़ी को 21-14, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह पक्की की। इस बीच वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवांगन की जोड़ी मिश्रित युगल क्वालीफायर में ताइवान के चिएन-वेई चियांग और मेंग चेन वू से हार गयी। अनुभवी अश्विनी पोनप्पा और उनके जोड़ीदार रोहन कपूर ने मंगलवार को यहां सैयद मोदी इंडिया अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के शुरुआती दिन मिश्रित युगल में दूसरे दौर में प्रवेश किया।

भारतीय जोड़ी ने पेंग सून चान और यी सी चीह की मलेशिया की जोड़ी की चुनौती को सीधे गेमों में 21-12, 21-18 से खत्म किया। बी सुमित कुमार रेड्डी और सिक्की रेड्डी की मिश्रित जोड़ी ने भी सफलता का स्वाद चखा। इस युगल ने ताइवान के ह्वान-यी वू और चू युन की जोड़ी को 21-14, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह पक्की की। इस बीच वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवांगन की जोड़ी मिश्रित युगल क्वालीफायर में ताइवान के चिएन-वेई चियांग और मेंग चेन वू से हार गयी। पुरुष एकल वर्ग के क्वालीफायर में चिराग सेन ने 21-7, 12-21, 21-17 से रवि की कड़ी चुनौती को समाप्त कर मुख्य दौर में प्रवेश किया। सेन मुख्य दौर में ध्रुव रावत के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल में विमलराज अन्नादुराई और नवीन प्रशांत ईश्वरमूर्ति को22-24, 21-13, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

रिटर्न शॉट लगातीं अश्विनी और तनिषा

बीआरएस को 70 से अधिक सीटें मिलेंगी : के. टी. रामा राव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। चुनाव बाद सर्वेक्षणों के नतीजों को खारिज करते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पार्टी 70 से अधिक सीट जीतकर सत्ता में वापस आएगी। सर्वेक्षणों में बताया जा रहा है कि सत्तारूढ़ बीआरएस विधानसभा चुनाव हार रही है।

एक संवाददाता सम्मेलन में रामाराव ने कहा कि 2018 में कुछ एग्जिट पोल ने बीआरएस की हार की भविष्यवाणी की थी, लेकिन परिणाम कुछ और ही आया। उन्होंने कहा, मैं आपसे वादा करता हूं, आपमें से जो लोग बीआरएस के मित्र हैं और चाहते हैं कि केसीआर वापस आएं... मैं दावा करता हूं कि तीन दिसंबर (मतगणना वाले दिन) को हम वापस आ रहे हैं। हम 70 से अधिक सीट जीत कर वापसी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, एग्जिट पोल के नाम पर उपद्रव और निरर्थक बातें करने वालों, आपको खुद ही शर्मसार होना पड़ेगा और आपकी प्रतिष्ठा दांव पर है। उन्होंने कहा कि पार्टी का पहले अनुमान था कि उसे 88 से अधिक सीट मिलेंगी, लेकिन जहां-तहां कुछ समस्याओं के कारण यह आंकड़ा कम हो गया। रामा राव ने यह भी कहा कि यदि कुछ सर्वेक्षण संस्थाओं का पूर्वानुमान गलत साबित होता है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

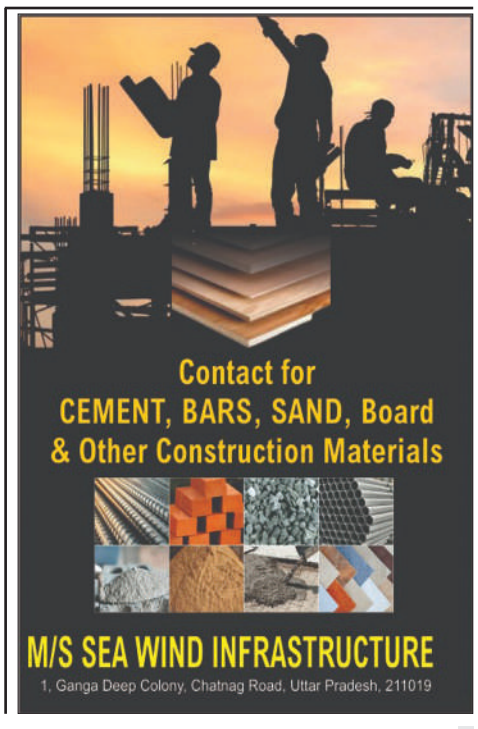

शीतकालीन सत्र में मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

4 दिसंबर से शुरू होगा संसद का सत्र, 22 दिसंबर तक चलेगा सदन, 19 दिनों में 15 बैठकें होंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र अगले सप्ताह सोमवार से शुरू हो रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि यह बीजेपी की मोदी सरकार का अंतिम सत्र है। अगले साल अप्रैल या मई में चुनाव हो सकते हैं। उधर 4 दिसंबर से शुरू हो रहे सत्र के लिए विपक्ष व सत्ता पक्ष ने कमर कस लिया है। इसबार कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के अन्य सदस्य दल मोदी सरकार को पूरी तरह ये घेरने के मूड में है।

चूकि अगला वर्ष चुनावी साल है इसलिए सभी दल शीतकालीन सत्र के दौरान जनता ने जुड़े मुद्दों को ज्यादा-ज्यादा से उठाने की रणनीति बना रहे हैं। विपक्ष ने कहा है कि बेरोजगारी, महंगाई, जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगे।

» विपक्ष मांगेगा महंगाई बेरोजगारी पर जवाब

वहीं सरकार की ओर से सत्र के दौरान 18 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में महिला आरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को बढ़ाने के लिए दो और आपराधिक कानूनों को बदलने के लिए तीन विधेयक शामिल हैं। सत्र 4 दिसंबर को शुरू होगा और 22 दिसंबर को समाप्त होगा। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार कश्मीरी प्रवासियों, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के विस्थापितों और अनुसूचित जनजातियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सदस्यों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 करने के लिए एक विधेयक लाने की भी योजना बना रही है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 जम्मू और कश्मीर विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है। इसके अतिरिक्त , पुडुचेरी विधानसभा में महिलाओं के लिए समान आरक्षण प्रावधानों का प्रस्ताव करते हुए केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया जाएगा। सत्र के लिए विधायी दस्तावेज में सात नए विधेयक शामिल हैं, जिनमें दो महिला कोटा विधेयक भी शामिल हैं, जिन्हें पेश किया जाना है। सरकार के एजेंडे में 33 लंबित विधेयकों के बैकलॉग को संबोधित करना भी शामिल है, जिनमें से 12 विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध हैं।

18 विधेयकों को किया सूचीबद्ध

राज्यसभा सांसदों के लिए नए निर्देश जारी

अगले सप्ताह शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र के लिए राज्यसभा सांसदों के लिए निर्देश जारी किया गया है। निर्देश में कहा गया है कि राज्यसभा में उठाए जाने वाले विषयों की पब्लिसिटी नहीं होनी चाहिए। साथ जब तक सभापति नोटिस स्वीकृत न कर लें और इसकी जानकारी अन्य सांसदों को न दे दें, तब तक नोटिस सार्वजनिक नहीं होने चाहिए। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सांसदों को जारी निर्देशों में संसदीय परंपराओं और तौर-तरीकों का हवाला दिया गया। कहा गया कि अभी तक सांसद, खासतौर से विपक्ष के सांसद राज्यसभा में किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाने का नोटिस सार्वजनिक करते आए हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं करना है। साथ ही सदन में थैंक्स, थैंक्यू, जय हिन्द, वंदे मातरम जैसे नारे न लगाए जाएं। सभापति की ओर से दी गई व्यवस्था की सदन के भीतर या बाहर आलोचना नहीं होनी चाहिए। वहीं, जब सभापति बोल रहे हों तब कोई भी सदस्य सदन न छोड़े, सभापति के बोलते समय सदन में शांति होनी चाहिए. सदन में एक साथ दो सदस्य खड़े नहीं हो सकते।

शीत कालीन सत्र अंतिम दिन
विधानसभा पहुंचे माननीय

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। विधानसभा सत्र के आखिरी दिन सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने जाते प्रदेश सरकार में मंत्री सतीश शर्मा, सपा के शिवपाल सिंह यादव, संग्राम यादव,रागिनी सोनकर व निषाद पार्टी के संजय निषाद, राज प्रसाद उपाध्याय, सुभाषपा के ओपी राजभर व अन्य।

'चुनाव आते ही अदालतें बन जाती हैं राजनीतिक मुकदमेबाजी का केंद्र'

» सीजेआई बोले- धोखाधड़ी के मामलों की संख्या बढ़ने लगती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव नजदीक आने के साथ ही उच्चतम न्यायालय में 'धोखाधड़ी के मामलों की संख्या बढ़ने लग जाती है और यह अदालत राजनीतिक मुकदमेबाजी का केंद्र बन जाती है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा शीर्ष अदालत में आयोजित 'संविधान दिवस समारोह में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, कि हम सभी का सह-अस्तित्व है और भारतीय संविधान हमें बताता है कि या तो हम जीवित रहेंगे या एक साथ नष्ट हो जाएंगे।

उन्होंने कहा लेकिन सबसे हटकर, मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि संविधान का जश्न मनाने के दिन हम न्याय के लिए अपने कर्तव्यों का पालन करना सीखें। न्याय के लिए हमारा कर्तव्य व्यक्तिगत मामलों में सफलता या विफलता से कहीं अधिक है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि कल ही, मुझे धोखाधड़ी के एक मामले से निपटना पड़ा।

शीर्ष अदालत हर दिन धोखाधड़ी के मामलों से निपटती है, कुछ अदालतों में धोखाधड़ी के मामलों की संख्या अधिक होती है और जब-जब चुनाव आते हैं, इस अदालत में धोखाधड़ी के मामलों की संख्या बढ़ने लग जाती है तथा हम न्यायाधीशों के रूप में इसे महसूस करते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद चीजें शांत हो जाती हैं और 'जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते हैं, अदालत राजनीतिक मुकदमेबाजी का केंद्र बन जाती है। यह हमारे समाज की सच्चाई है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने उपस्थित लोगों को कुछ देर हिंदी में भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता और संविधान का अटूट संबंध है।

फोटो: 4पीएम

शामिल भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय पर विभिन्न दलों से आए कार्यकर्ताओं जिला अध्यक्ष को भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता ग्रहण कराते प्रदेश अध्यक्ष चौ. भूपेंद्र सिंह व उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

सीबीआई ने तृणमूल कांग्रेस के विधायक, पार्षदों के आवासों पर मारे छापे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में कथित स्कूल भर्ती घोटाले में संलिप्तता के आरोप में एक विधायक और दो पार्षदों सहित तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं के आवासों पर एक साथ छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने मुर्शिदाबाद जिले के डोमकल के विधायक जफीकुल इस्लाम और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता और बिधाननगर नगर निगम के पार्षद देबराज चक्रवर्ती के आवास पर छापा मारा। अधिकारी ने कहा यह छापेमारी शिक्षक भर्ती घोटाले की हमारी जांच के तहत की जा रही है।

शिक्षक अभ्यर्थियों ने राहुल गांधी से लगाई मदद की गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकारी अनदेखी से आहत शिक्षक अभ्यर्थियों ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी से मदद की गुहार लगाई है। इसके लिए उन लोगों ने सांसद के नाम पत्र लिखा है।

अपने पत्र में राहुल गांधी को संबोधित करते हुए अभ्यर्थियों ने लिखा है कि 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण की विसंगति के कारण आरक्षित वर्ग के 6800 अभ्यर्थियों की नियुक्ति नहीं हो सकी थी और अपनी इसी मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने करीब 1 साल तक

आंदोलन किया था। जिसका संज्ञान लेकर यूपी के मुख्यमंत्री ने अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल को अपने आवास पर बुलाया और उनकी समस्याएं सुनकर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को उनकी समस्याओं के निस्तारण करते हुए उन्हें तत्काल नियुक्ति पत्र देने का आदेश दिया था।

आठवां वेतन आयोग गठित करने की कोई योजना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की अगले साल होने वाले आम चुनाव 2024 से पहले लगभग 48.67 लाख केंद्रीय कर्मचारियों तथा 67.95 लाख पेंशनभोगियों के लिए आठवां वेतन आयोग गठित करने की कोई योजना नहीं है।

दरअसल, अतीत में आम चुनाव से पहले केंद्र सरकारें अपने कर्मियों, सशस्त्रबल कर्मियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को लुभाने के लिए वेतन आयोगों के गठन या उनकी सिफ़ारिशों को लागू करने को असरदार औज़ार की तरह इस्तेमाल करती रही हैं. वर्ष 2013 के सितंबर माह में, कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव तथा आम चुनाव 2014 से कुछ ही माह पहले, कांग्रेस के नेतृत्व

» नई पेंशन योजना की समीक्षा पर फोकस

वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने 7वां वेतन आयोग गठित किया था। बहरहाल, भारतीय जनता पार्टी ने ऐसे किसी भी कदम से परहेज़ किया है, और उसके स्थान पर नई पेंशन योजना की समीक्षा पर फोकस किया है, जो राज्यों और केंद्र सरकार के नए कर्मचारियों के लिए विवाद का विषय बन चुकी है। वर्तमान पेंशन योजना के अंतर्गत कर्मचारी अपने मूल वेतन का 10 फीसदी योगदान दिया करते हैं, जबकि सरकार उसी खाते में कर्मचारी के मूल वेतन का 14 फ़ीसदी जमा किया करती है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।